Toppersnotes
Unleash the topper in you

REET

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

Level-I

बाल विकास एवं मनोविज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

विषय सूची

1. मनोविज्ञान	1
2. बालक विकास	6
3. विकास की अवस्थायें	16
4. अधिगम	47
5. अभिप्रेरणा	72
6. मानसिक स्वास्थय व समायोजन	80
7. बुद्धि	91
8. संवेगात्मक बुद्धि	104
9. व्यक्तित्व	108
10. व्यक्तिगत विभिन्नता, विविध अधिगमकर्ता	121
11. शिक्षा का अधिकार (RTE)	141
12. राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा (NCF)	149
13. क्रियात्मक अनुसंधान	150
14. मूल्यांकन	157

Toppersnotes
Unleash the topper in you

eukfoKku

→ मनोविज्ञान का अतीत बहुत लम्बा है जबकि इतिहास बहुत छोटा है ऐसा एबिंगहास का कथन है।

→ मनोविज्ञान का अतीत 400 ई.पू. से प्रारम्भ होता है जबकी इतिहास 16वी शताब्दी से प्रारम्भ होता है।

→ ~~मनोविज्ञान~~ सर्वप्रथम मनोविज्ञान शब्द का प्रयोग 1590 मे रूडोल्फ गोयकर ने अपनी पुस्तक Psychologia के अन्तर्गत किया।

→ मनोविज्ञान के जनक- अरस्तु तथा जननी है - दर्शनशास्त्र

→ शताब्दियो पूर्व मनोविज्ञान को दर्शनशास्त्र कि एक शाखा के रूप में माना जाता था।

→ मनोविज्ञान को स्वतन्त्र विषय बनाने के लिए इसे परिभाषित करना शुरू किया गया।

→ Psychology शब्द कि उत्पति लैटिन (1st Priority) व यूनानी (ग्रीक) (2nd) भाषा के दो शब्दो Psyche + Logos से मिलकर हुई है

Psyche का अर्थ होता है - आत्मा का तथा
logos का अर्थ होता है - अध्ययन करना / विज्ञान

→ इसी शाब्दीक अर्थ के आधार पर सर्वप्रथम प्लेटो, अरस्तु, डेकार्टे आदी के द्वारा मनोविज्ञान को "आत्मा का विज्ञान" माना गया।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

आत्मा शब्द कि स्पष्ट व्याख्या नही होने के कारण 16 वी शताब्दी के अन्त मे यह परिभाषा अमान्य हो गई।

- 17 वी शताब्दी मे इटली के मनोवैज्ञानिक पोम्पोनोजी ने मनोविज्ञान को मन या मस्तिष्क का विज्ञान माना बाद मे यह परिभाषा भी अमान्य हो गई।

- 19 वी शताब्दी मे विलियम वुण्ट, विलियम जेम्स, वाइन्स जेम्स सली के आदि के द्वारा मनोविज्ञान को चेतना का विज्ञान माना गया। अपूर्ण अर्थ होने के कारण यह परिभाषा भी अमान्य हो गई।

- विलियम वुण्ट ने जर्मनी के लिपजिंग स्थान पर 1879 में प्रथम मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापीत की इसलिए विलियम वुण्ट को प्रयोगात्मक मनोविज्ञान का जनक माना जाता है।

- इसी समय मे (1879 से) मनोविज्ञान दर्शनशास्त्र कि शाखा के रूप से अलग होकर स्वतन्त्र विषय के रूप मे सामने आया।

- लिपजिंग विश्वविद्यालय को वर्तमान में "कार्ल-मार्क्स" विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है।

- विलियम मैक्डुगल ने अपनी पुस्तक Outline Psychology के पृष्ठ न. 16 पर चेतना शब्द की कड़ी निंदा की।

→ 20वी शताब्दी मे मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना गया और आज-तक यही परिभाषा प्रचलित है।

→ व्यवहार का विज्ञान मानने वाले प्रमुख मनोवैज्ञानिक वाटसन है। इसके अलावा वुडवर्थ, स्किनर, थॉर्नडाईक, मैक्डुगल आदि के द्वारा भी मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना गया।

→ व्यवहारवाद के जनक है वाटसन तथा व्यवहारवादी वंशानुक्रम मे कम विश्वास करते है तथा वातावरण में अधिक इसीलिए वाटसन ने कहा "तुम मुझे कोई भी बालक दे दो मे उसे वैसा बना सकता हू जैसा मैं बनाना चाहता हूँ"

- वुडवर्थ के अनुसार :→

मनोविज्ञान ने सर्वप्रथम अपनी आत्मा का त्याग कीया फीर मन का त्याग कीया, फीर चेतना का त्याग कीया और आज मनोविज्ञान व्यवहार कि विधि के स्वरूप को स्वीकार करता है।

- क्रो एव क्रो के अनुसार :→

20वी शताब्दी बच्चे कि शताब्दी है।

नोट :→

- वर्तमान समय में मनोविज्ञान को व्यवहार व अनुभूति का विज्ञान माना जाता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

प्रमुख जनक –

- मनोविज्ञान के जनक – अरस्तु
- शिक्षा मनोविज्ञान के जनक – थार्नडाइक
- प्रयोगात्मक मनोविज्ञान के जनक – विलियम वुण्ट
- आधुनिक मनोविज्ञान के जनक – विलियम वुण्ट
- अमेरिकन मनोविज्ञान के जनक – विलियम जेम्स
- विकासात्मक मनोविज्ञान के जनक – जीन प्याजे
- किशोर मनोविज्ञान के जनक – स्टेनली हॉल
- व्यक्तित्व मनोविज्ञान के जनक – ~~स्ट्र~~ ऑलपोर्ट
- मूल-प्रवृति के जनक – मैक्डुगल
- मौलिक व्यवहारवादी के जनक – स्किनर

* मनोविज्ञान शब्द – 1st लैटिन 2nd यूनान

Toppersnotes
Unleash the topper in you

* मनोविज्ञान कि मुख्य शाखाएँ *

1. सामान्य मनोविज्ञान - सामान्य बालको का अध्ययन

2. असमान्य मनोविज्ञान - असमान्य बालको का अध्ययन

3. तुलनात्मक मनोविज्ञान सामान्य / असमान्य

4. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान - नियंत्रित परिस्थितियो मे किया गया अध्ययन

5. समाज / सामाजिक मनोविज्ञान

6. औद्योगिक मनोविज्ञान

7. बाल मनोविज्ञान / बाल विकास (गर्भावस्था - किशोरावस्था)

8. किशोर मनोविज्ञान

9. प्रौढ मनोविज्ञान

10. विकासात्मक मनोविज्ञान (शुरू से अन्त) गर्भावस्था - वृद्धावस्था तक का अध्ययन

11. शिक्षा मनोविज्ञान - बालक के व्यवहार का शैक्षिक परिस्थितियो मे अध्ययन

12. निदानात्मक / उपचारात्मक / क्लीनिकल मनोविज्ञान - समस्यात्मक बालको का अध्ययन

13. पशु मनोविज्ञान

14. परा मनोविज्ञान (आधुनिक शाखा) - उलझी हुई गुथीयो पर चर्चा जैसे - पुन: जन्म कि बाते याद आना, घटित घटना का सपना पहले ही आ जाना

समस्या के कारण को जानना - निदान
समस्या को दूर करना - उपचार

18 वी शताब्दी मे सर्वप्रथम 'पेस्टोलोजी' के द्वारा बालविकास का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया गया। इन्होने अपने की $3\frac{1}{2}$ वर्ष के पुत्र पर अध्ययन किया तथा Baby Biography तैयार कि।

- 19 वी शताब्दी मे अमेरिका मे बाल अध्ययन आन्दोलन कि शुरुआत हुई इसके जन्मदाता "स्टेनली हॉल" इन्होने अमेरिका मे Child Study Society व Child welfare organisation जैसी संस्थाओ कि स्थापना कि।

- 19 वी शताब्दी मे कि न्युयोर्क मे सबसे पहला बाल सुधार गृह सन 1887 स्थापित किया।

- 20 वी शताब्दी मे बालविकास पर अनेक पुस्तको का प्रकाशन किया गया।

- भारत मे बालविकास के अध्ययन कि शुरुआत लगभग 1930 से मानी जाती है

अभिवृद्धि व विकास मे अन्तर

अभिवृद्धि	विकास
- केवल शारीरिक पक्ष मे होने वाला परिवर्तन	- सम्पूर्ण पक्षो मे होने वाला परिवर्तन
- संकुचित अर्थ	- व्यापक अर्थ
- बाह्य स्वरूप	- बाह्य व आन्तरिक स्वरूप

- कुछ समय पश्चात रुक जाना — जीवन पर्यन्त चलना
- केवल आकार बढने से संबंध — सम्पूर्ण परिवर्तनो से सम्बन्ध
- सीधे मापा तौला जा सकता है — सीधे मापन संभव नही
- परिमाणात्मक/मात्रात्मक/संख्यात्मक — परिमाणात्मक व गुणात्मक
- रचनात्मक परिवर्तन — रचनात्मक व विनासात्मक परिवर्तन
- विवृद्धि सूचक — विवृद्धि सूचक व ह्रास सूचक

नोट :- रचनात्मक परिवर्तन मे व्यक्ति को किशोरावस्था कि ओर ले जाते है जबकि विनासात्मक परिवर्तन व्यक्ति को वृद्धा अवस्था कि ओर ले जाते है

* विकास कि परिभाषाए *

गैसेल के अनुसार - विकास एक तरह का परिवर्तन है जिसके द्वारा बालक मे नवीन योग्यताओ व विशेषताओ का विकास होता है।

ब्रूनर के अनुसार - विकास कि किसी भी अवस्था मे कुछ भी सिखाया जा सकता है

बर्क के अनुसार - बाल विकास मनोविज्ञान कि वह शाखा है जिसके अन्तर्गत जन्म पूर्व अर्थात गर्भावस्था से किशोरावस्था अथवा परिपक्वा अवस्था तक होने वाले विकास का अध्ययन किया जाता है

Toppersnotes
Unleash the topper in you

श्रीमती हरलॉक -

श्रीमती हरलॉक ने विकास क्रम मे होने वाले परिवर्तनो को चार भागो मे बाटा

1. आकार मे परिवर्तन — नवजात शिशु के सिर का अनुपात = 1/4
2. अनुपात मे परिवर्तन — वयस्क मनुष्य के सिर का शरीर से अनुपात = 1/7
3. पुराने चिह्नो का लोप
4. नवीन चिह्नो का उदय

* विकास के नियम ⇒

① समान प्रतिमान का नियम - विकास समान नियमो पर आधारित होता है इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नही होता (बच्चा रेंगकर चलेगा, पकडकर खडा होगा, फिर चलेगा)

② क्रमबद्धता का नियम / निश्चित श्रृंखला का नियम -

- विकास क्रमानुसार होता है (बच्चे का बोलना - प---पा....पापा)

③ सतत विकास का नियम / निरन्तरता का नियम -

- विकास जीवन पर्यन्त चलता रहता है

④ परस्पर संबंध का नियम -

विकास के चारो पक्ष (शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, व संवेगात्मक) परस्पर संबंधित होते है लेकिन घनिष्ठ संबंध शारीरिक व मानसिक विकास मे होता है

(5) सामान्य से विशिष्ट क्रियाओं का नियम - शिशु पहले सामान्य क्रियाएं करता है व उसके बाद विशिष्ट।
उदा. शिशु का किसी चीज को पकड़ना - यह जन्म से नही होता।

(6) निश्चित दिशा का नियम -

(i) मस्तकोधमुखी नियम :- विकास हमेशा सिर से पैर कि ओर अर्थात् ऊपर से नीचे कि ओर होता है।
(सिर → धड़ → हाथ → पैर)

(ii) निकट-दूर नियम :- विकास केन्द्र से शिरो कि ओर होता है। जैसे - पहले हथेली फिर अंगुलिया व उसके बाद अंगूठे का प्रयोग।

(7) व्यक्तिगत विभिन्नता का नियम - जन्म से ही कोई बालक प्रतिभाशाली होता है कोई सामान्य बुद्धि होता है तो कोई मन्द बुद्धि होता है।

(8) विकास कि गति में भिन्नता का नियम -

प्रतिभाशाली बालक का विकास तीव्र गति से, सामान्य बुद्धि बालक का सामान्य गति से तथा मन्द बुद्धि बालक का विकास मन्द गति से होता है।

(9) अन्त: क्रिया का नियम - देखकर, सुनकर व अनुकरण से सिखना
दूसरा बच्चा जल्दी / तीव्र से सिखता है।

(10) वर्तुलाकार का नियम - विकास केवल लम्बाई मे न होकर अर्थात् रेखीय न होकर, चारो ओर होता है।

(11) विकास मे परिवर्तन का नियम

(12) पूर्वानुमान / पूर्व कथन / भविष्यवाणी का नियम

(13) विकास कि प्रत्येक अवस्था के अपने -2 खतरे होते है।

(14) विकास कि प्रत्येक अवस्था मे सुख शान्ती एक समान नही होती है।

(15) प्रारम्भिक विकास परवर्ती (बाद वाले) कि अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण होता है।

(16) वंशानुक्रम व वातावरण के गुणनफल का नियम -

- व्यक्ति का विकास वंशानुक्रम व वातावरण का प्रतिफल है।

| व्यक्ति = वंशानुक्रम (H) X वातावरण (E) | — वुडवर्थ

* विकास को प्रभावित करने वाले कारक *

(1) वंशानुक्रम :- यह विकास को प्रभावित करने वाला पहला प्रमुख कारक है। बालक को अपने माता पिता व पूर्वजों कि जो विशेषताएँ जन्म या गर्भाधान के समय से प्राप्त होती है उसे वंशानुक्रम या अनुवांशिकता कहते है।

* वंशानुक्रम के सिद्धान्त –

(1) वीजमैन का जनन - द्रव्य कि निरन्तरता का सिद्धान्त –

इस सिद्धान्त के अनुसार शरीर का निर्माण करने वाला जनन द्रव्य कभी भी नष्ट नही होता है यह पीढी दर पीढी हस्तान्तरित होता रहता है।
यही कारण है कि एक पीढी से दूसरी पीढी मे निरन्तर गुणो का संचरण होता रहता है।

(2) उपार्जित गुणो के असंचरण का सिद्धान्त :- (वीजमैन)

इस सिद्धान्त के अनुसार अर्जीत गुणो का संचरण नही होता है।
इसके समर्थक - वीजमैन (चुहो कि पूछ काट दी गई)

(3) उपार्जित गुणो के संचरण का सिद्धान्त :- (लैमार्क)

इस सिद्धान्त के अनुसार अर्जीत गुणो का संचरण होता है।
इसके समर्थक - लैमार्क (जीराफ कि गर्दन)

(4) गाल्टन का जीव - सांख्यिकी / बायोमेट्रिक सिद्धान्त :

इस सिद्धान्त के अनुसार बालक मे गुणो का संचरण केवल माता पिता से न होकर पूर्वजो से भी होता है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

⑤ मैण्डल का सिद्धान्त :-
मैण्डल ने काले व सफेद चूहों तथा मटर के दानों पर प्रयोग करके यह निष्कर्ष निकाला कि एक ही माता-पिता से उत्पन्न संतानों में भी भिन्नता पाई जाती है।

* वंशानुक्रम के नियम ⇒

① समानता का नियम - जैसे-माता-पिता वैसी ही संतान

② भिन्नता का नियम - जैसे - माता-पिता उनसे कुछ भिन्न संतान

③ प्रत्यागमन का नियम - जैसे - माता-पिता उनके ठीक विपरीत संतान

② वातावरण :-
यह विकास को प्रभावित करने वाला दूसरा प्रमुख कारक है। वातावरण का पर्यायवाची शब्द है 'पर्यावरण' जो कि दो शब्दो से मिलकर बना है। परि + आवरण

परि का अर्थ होता है - चारो ओर

आवरण का अर्थ होता है - ढकने वाला / घेरने वाला

अर्थात जो कुछ भी हमे चारो ओर से घेरे हुए है वही पर्यावरण है।

नोट:- वातावरण के अन्तर्गत बालक एक उच्च संगठित ऊर्जा है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

रॉस के अनुसार – वातावरण कोई बाहरी शक्ति है जो हमे प्रभावित करती है।

- वातावरण के अन्तर्गत निम्न कारक बालक के विकास को प्रभावित करते है।

① पारिवारिक वातावरण :-

परिवार अनोपचारिक शिक्षा का मुख्य साधन है। जिसके अन्तर्गत माँ कि महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माँ बालक कि प्रथम गुरु होती है जिसके द्वारा संस्कारो कि शिक्षा दि जाती है।

फ्रौबेल के अनुसार – "माताए आदर्श अध्यापिकाएं होती है तथा परिवार द्वारा दी जाने वाली अनोपचारिक शिक्षा महत्वपूर्ण व प्रभावशाली है"

पेस्टोलोजी के अनुसार – " परिवार सिखने का सर्वोत्तम स्थान व बालक का प्रथम विधालय है।

- पारिवारिक वातावरण के अन्तर्गत निम्न कारक आते है।

- परिवार कि आर्थिक स्थिति
- माता-पिता का असंतोषजनक वैवाहिक जीवन
- पक्षपात पूर्ण व्यवहार
- माता-पिता कि अत्यधिक ममता या लाड प्यार
- कठोर नियन्त्रण व अनुशासन आदी।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

② विद्यालयी वातावरण – विद्यालय औपचारिक शिक्षा का मुख्य साधन है। जिसके अन्तर्गत निश्चित स्थान निश्चित समय व निश्चित विधियों के माध्यम से अध्ययन कराया जाता है।

- विद्यालय के अन्तर्गत मुख्य भूमिका 'शिक्षक' कि होती है।

फ्रोबेल के अनुसार – शिक्षक बालोद्यान का कुशल माली है।

नोट :→ " जर्मनी के विद्या शिक्षा शास्त्री फ्रोबेल ने 1837 में जर्मनी के ब्लैकेनबर्ग नामक स्थान पर सबसे पहला पूर्व-पूर्व प्राथमिक विद्यालय 'किन्डरगार्टन' कि स्थापना कर पूर्व – प्राथमिक शिक्षा को जन्म दिया।
इसीलिए फ्रोबेल को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा का जनक माना जाता है।
किण्डरगार्टन विधि - खेल-खेल मे शिक्षा (3-6 वर्ष के बालक)

विद्यालय के अन्तर्गत निम्न कारक आते है।

- विद्यालय का भौतिक वातावरण
- अनुचित शिक्षण विधियों का प्रयोग
- दोषपूर्ण पाठ्यक्रम
- साधनों का अभाव
- बालक को समस्यात्मक कहकर उसकी अवहेलना करना।
- शिक्षक का ~~व्यक्तित्व~~ व्यक्तित्व व कुशलता आदी।

③ सामाजिक वातावरण :–
① रिति रिवाज व परम्पराएँ
② अंधविश्वास
③ आस - पड़ोस
④ मित्र व साथी
सिनेमा आदी

④ सांस्कृतिक वातावरण :-

① समवाय
② संस्कृति
③ भाषा
④ रहन - सहन
⑤ खान - पान आदी

⑤ भौगोलिक वातावरण :-

① जलवायु

⑥ मनोवैज्ञानिक वातावरण :- क्रिया से पहले — क्रिया के बाद

① अभिप्रेरणा व पुनर्बलन
② निर्देशन व परामर्श
③ प्रेम व सहानुभुती पूर्ण व्यवहार

⑦ जन संचार वातावरण :- रेडियो, टेलीविजन, मोबाइल, कम्प्यूटर, पत्र-पत्रिकाएँ आदी।

③ परिपक्वता एवं अधिगम :-

- परिपक्वता शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'अरनोल्ड गैसेल' के द्वारा किया गया।
- विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक वंशानुक्रम व वातावरण के बाद महत्वपूर्ण स्थान परिपक्वता एवं अधिगम का है।
- परिपक्वता का सम्बन्ध वंशानुक्रम से होता है जबकि अधिगम का सम्बन्ध वातावरण से होता है।
- अधिगम पर परिपक्वता का प्रभाव पडता है जबकि परिपक्वता पर अधिगम का प्रभाव नहीं पडता है।
- अत: व्यक्ति का विकास वंशानुक्रम वातावरण परिपक्वता एवं अधिगम का प्रतिफल है।

fodkl dh voLFkk;

- गर्भावस्था :- गर्भधारण से जन्म तक
- शैशवावस्था :- जन्म से 6 वर्ष तक
- बाल्यावस्था :- 7-12 वर्ष तक
- किशोरावस्था :- 13-18 वर्ष तक
- प्रौढावस्था :- 18 के बाद

(टीन Ag - 13 - 19 वर्ष)

1. गर्भावस्था

गर्भावस्था कि अवधी - 280 दिनो कि होती है इसमे 10 चन्द्रमास होते है तथा साधारण शब्दो मे 9 महिने होते है।

- गर्भावस्था को 3 अवस्थाओ मे बाटा गया है।

(1) भ्रूणीक अवस्था / बीज अवस्था / डिम्बावस्था / रोपण अवस्था ⇒ (Germinal) or OUVM Period

काल - गर्भधारण से 2 सप्ताह

इस अवस्था मे शिशु अण्डे कि शक्ल का होता है तथा इसका आकार 'पिन के हेड' के बराबर होता है जिसे 'युग्मज' कहा जाता है।
यह अण्डा 10 दिनो तक गर्भाशय मे इधर-उधर तैरता रहता है।
10 दिनो तक इसे माँ के द्वारा कोई आहार नही मिलता है।
10 दिनो के पश्चात यह अण्डा गर्भाशय कि दिवार या परत